भारत - पनामा संबंध

राजनीतिक

भारत - पनामा संबंध मध्य अमरीका क्षेत्र में सबसे पुराना है जो 19वीं शताब्दी के मध्य से चला आ रहा है जब पनामा रेलवे के निर्माण पर काम करने और फिर 20वीं शताब्दी के पूर्वार्ध में पनामा नहर पर काम करने के लिए भारतीयों के समूह पनामा पहुंचे। मध्य अमरीका में पनामा पहला देश था जहां भारत ने अपना रेजीडेंट मिशन स्थापित किया। पनामा का भी नई दिल्ली में एक आवासी मिशन है।

द्विपक्षीय यात्राएं :

भारत की ओर से :

1. तत्कालीन वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री डा. डी पुरनदेश्वरी के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने 15 से 18 अप्रैल, 2013 के दौरान पनामा का दौरा किया तथा पनामा के सबसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय ट्रेड शो "एक्सपोकमर" में 17 अप्रैल, 2013 को "मेड इन इंडिया" प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। 120 से अधिक भारतीय कंपनियों ने इंडिया शो में भाग लिया। राज्य मंत्री ने पनामा गणराज्य के राष्ट्रपति, विदेश मंत्री तथा सरकार के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों से मुलाकात की।

2. तत्कालीन पोत परिवहन, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री मिलिंद देवरा के नेतृत्व में एक भारतीय शिष्टमंडल ने 22 से 25 जनवरी, 2013 के दौरान पनामा का दौरा तथा प्रेसीडेंसी में मंत्री, पनामा समुद्री प्राधिकरण के महा प्रशासक, पनामा राष्ट्रीय सरकारी नवाचार प्राधिकरण के महा प्रशासक तथा उप वित्त मंत्री से मुलाकात की।

3. तत्कालीन प्रवासी भारतीय मामले मंत्री श्री वायलर रवि ने 29-30 जुलाई, 2012 को पनामा का दौरा किया तथा पनामा के कार्यकारी विदेश मंत्री से मुलाकात की तथा पनामा शहर के गुरूद्वारा, मस्जिद एवं मंदिर का भी दौरा किया।

4. तत्कालीन संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री श्री सचिन पायलट ने 10-11 अप्रैल, 2012 को पनामा का दौरा किया। मेजर जनरल पी के गोस्वामी के नेतृत्व में राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एन डी सी) के 14 अधिकारियों ने 20 से 26 मई, 2012 के दौरान अपने अध्ययन दौरे के अंग के रूप में पनामा का दौरा किया।

5. तत्कालीन श्री जे एम मौस्कर, विशेष सचिव, पर्यावरण एवं वन मंत्रालय के नेतृत्व में भारतीय अधिकारियों के एक 18 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 29 सितंबर से 7 अक्टूबर, 2011 के दौरान संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन बैठक में भाग लेने के लिए पनामा का दौरा किया।

6. तत्कालीन माननीया लोक सभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार के नेतृत्व में भारत के संसद सदस्यों के एक 20 सदस्यीय शिष्टमंडल ने 124वीं अंतर संसदीय संघ (आई पी यू) सभा में भाग लेने के लिए 14 से 21 अप्रैलLRPQQ के दौरान पनामा का दौरा किया।

7. राज्य मंत्री (ई ए) श्री ई अहमद ने 3 से 5 मई, 2011 के दौरान पनामा का दौरा किया।

पनामा की ओर से :

1 पनामा समुद्री प्राधिकरण के राजदूत (मंत्री का दर्जा) श्री जार्ज बरकत पिट्टी ने 14 से 19 मार्च के दौरान भारत का दौरा किया। उन्होंने जहाजरानी राज्य मंत्री एवं सचिव (जहाजरानी) के साथ बैठकें की।

2 तत्कालीन पनामा सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (कैबिनेट रैंक) श्री रिकार्डो क्विजानो के नेतृत्व में 14 सदस्यों के एक उच्च स्तरीय शिष्टमंडल ने नई दिल्ली में आयोजित सी आई आई की 5वीं भारत - एल ए सी गोष्ठी में भाग लेने के लिए 9-10 दिसंबर, 2013 को भारत का दौरा किया। उनके साथ अन्यों के अलावा, ई-गवर्नेंस तथा सरकारी नवाचार के लिए प्रशासनिक प्राधिकरण के प्रमुख (उप मंत्री की रैंक) श्री एडवार्डो एनरिक जीन, महानिदेशक एवं राष्ट्रीय प्रवासन सेवा प्रमुख श्री जेवियर लियोनेली कार्रिलो, कोलोन मुक्त व्यापार क्षेत्र के महानिदेशक (उप मंत्री की रैंक) श्री लियोपोल्डो लुइस बेनेडेटी तथा नागर विमानन महानिदेशक श्री राफेल बार्सेनास चेयारी भी आए थे।

3 तत्कालीन विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार के लिए संसदीय सचिव डा. रूबेन बेराकल ने 3 से 8 दिसंबर, 2011 के दौरान भारत का दौरा किया।

द्विपक्षीय करार

1. विदेश कार्यालय परामर्श 2001
2. सांस्कृतिक एवं शैक्षिक सहयोग 2001
3. विदेश मंत्रालय के विदेश सेवा संस्थान तथा पनामा के विदेश मंत्रालय की राजनयिक अकादमी के बीच परस्पर सहयोग के लिए करार, 2001
4. कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत के कृषि मंत्रालय तथा पनामा के कृषि विकास मंत्रालय के बीच करार, 2001

द्विपक्षीय व्यापार

भारत - पनामा व्यापार (मिलियन अमरीकी डालर में)

वर्ष	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16 (अप्रैल - सितंबर)
भारत का निर्यात	227.22	211.76	302.47	99.32
भारत का आयात	109.55	63.05	74.71	52.38
कुल	336.77	274.81	377.18	151.70

स्रोत : वाणिज्य विभाग, भारत सरकार

2014-15 में पनामा को भारत के निर्यात में वृद्धि हुई, तथापि वित्त वर्ष 2015-16 में भारत के समग्र वश्विक निर्यात में गिरावट को देखते हुए निर्यात के कम होने की संभावना है। पनामा से भारत का आयात पिछले वर्षों की तुलना में वृद्धि की रूझान को दर्शाता है।

भारत की ओर से पनामा को जिन वस्तुओं का निर्यात किया जाता है उनमें मुख्य रूप से निम्नलिखित शामिल हैं : टेक्सटाइल, आटोमोबाइल एवं असेसरीज; लोहा एवं इस्ताप की वस्तुएं; प्लास्टिक के उत्पाद; भेषज पदार्थ; तंबाकू के उत्पाद; रबर के उत्पाद; फर्नीचर की वस्तुएं, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रानिक उपकरण आदि। भारत की ओर से पनामा से जिन वस्तुओं का आयात किया जाता है उनमें निम्नलिखित शामिल हैं : खनिज ईंधन, तेल, उत्पाद एवं मोम; पोत, नौका एवं फ्लोटिंग स्ट्रक्चर; टीक एवं अन्य लकड़ी तथा लकड़ी की बनी वस्तुएं आदि।

व्यापार और आर्थिक गतिविधियां :

एक्सपोकमर मध्य अमेरिका में सबसे बड़ी वार्षिक वाणिज्यिक संकल्पनाओं में से एक है जिसका आयोजन पनामा शहर में चैबर ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर ऑफ पनामा द्वारा किया जाता है। 11 से 14 मार्च, 2015 के दौरान आयोजित एक्सपोकमर - 2015 में 120 से अधिक भारतीय कंपनियों ने अपने उत्पादों एवं सेवाओं का प्रदर्शन किया। कंपनियों ने वस्त्र, कॉस्ट्यूम एवं गोल्ड ज्वैलरी, हस्तशिल्प, होम फर्निशिंग तथा प्लास्टिक आदि जैसे व्यापक श्रेणी के उद्योगों का प्रतिनिधित्व किया।

दूतावास ने 8 अक्टूबर 2014 को पनामा चैंबर ऑफ कामर्स के प्रेसिडेंशिल हाल में मेक इन इंडिया कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें भारतीयों एवं स्थानीय उच्च अधिकारियों सहित भारी संख्या में पनामा के उद्योगपतियों, कारोबारियों ने भाग लिया।

26 से 29 मार्च, 2014 के दौरान एक्सपोकमर - 2014 में 66 भारतीय कंपनियों ने भाग लिया। भारत सहित 35 विदेशी राष्ट्रों ने इस फेयर में भाग लिया।

अप्रैल, 2013 में, 120 से अधिक भारतीय कंपनियों ने एक्सपोकमर में अब तक के पहली "मेड इन इंडिया" प्रदर्शनी में भाग लिया। इंडिया शो का उद्घाटन वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री डा. डी पुरनदेश्वरी द्वारा किया गया।

कोलोन ट्रेड फ्री जोन में प्रयोक्ता संघ तथा ए ई पी सी के सहयोग से भारतीय दूतावास द्वारा नवंबर, 2012 में कोलोन में आयोजित बी एस एम में ए ई पी सी की 10 भारतीय गारमेंट निर्यात कंपनियों ने भाग लिया।

फार्मेक्सिल द्वारा प्रायोजित 22 भारतीय कंपनियों ने पी सी सी आई ए के सहयोग से भारतीय दूतावास द्वारा 10 सितंबर, 2012 को आयोजित बी एस एम में भाग लिया। इस कार्यक्रम का आयोजन सी सी आई ए के मेन हॉल में किया गया तथा इसका आयोजन पी सी सी आई ए की सक्रिय भागीदारी से किया गया। भेषज पदार्थ से संबंधित अनेक कंपनियों ने हिस्सा लिया। बीएसएम की वजह से अनेक कारोबारी सौदे हुए जिन्हें अंतिम रूप दिया गया जिससे भारतीय कंपनियों द्वारा पनामा एवं मध्य अमरीका के देशों को भेषज उत्पादों के निर्यात का मार्ग प्रशस्त हुआ।

केमेक्सिल से 12 भारतीय कंपनियों ने पनामा चेंबर्स ऑफ कॉमर्स, इंडस्ट्री एंड एग्रीकल्चर (पी सी सी आई ए) के सहयोग से भारतीय दूतावास द्वारा 3 सितंबर, 2012 को आयोजित बी एस एम में भाग लिया। यह काफी सफल रहा तथा पनामा एवं मध्य अमरीका के अन्य क्षेत्रों के लिए भारतीय रासायनिक उत्पादों के अधिक निर्यात एवं अनेक कारोबारी सौदों को मार्ग प्रशस्त हुआ।

मार्च 2012 में, 50 भारतीय कंपनियों ने एक्सपोकमर - 2012 में सफलतापूर्वक भाग लिया।

मार्च, 2012 में हैदराबाद में आयोजित इंडिया साफ्ट-2012 में पनामा की चार आईटी फर्मों ने भाग लिया।

संस्कृति

दूतावास पनामा शहर में आयोजित होने वाले वार्षिक चैरिटी कार्यक्रम कारवाना में प्रमुख योगदानकर्ताओं में से एक है जहां विभिन्न राजनयिक मिशन अपनी संस्कृति, व्यंजन एवं अन्य खासियतों का प्रदर्शन करते हैं। भारतीय मडप, जो सबसे लोकप्रिय मंडपों में से एक है, ने नवंबर 2015 में आगंतुकों को भारतीय संस्कृति, शिल्प एवं व्यंजन का प्रदर्शन किया।

बुंडु खान लंगा के नेतृत्व में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित एक राजस्थानी नृत्य मंडली ने जुलाई 2015 में कैस्को वीजो, पनामा शहर में टिएट्रो अनिटा विल्लालैज़ में जुलाई 2015 में राजस्थानी लोक नृत्य एवं गीत प्रस्तुत किया। पनामा राष्ट्रीय सांस्कृतिक संस्थान (आई एन ए सी) के परिसर में स्थानीय कलाकारों के साथ अतिथि मंडली के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भारतीय दूतावास ने अनेक स्थानीय योग संस्थानों के सहयोग से 21 जून, 2015 को पार्के ओमर के प्रतिष्ठित स्थल में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जिसमें 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया। पनामा राष्ट्रीय सांस्कृतिक संस्थान (आई एन ए सी) जो पनामा में शीर्ष सांस्कृतिक संगठन है, के महानिदेशक मानद अतिथि थे। प्रथम महिला, पनामा शहर के मेयर और पनामा राष्ट्रीय सांस्कृतिक संस्थान के कार्यालयों द्वारा इस कार्यक्रम का समर्थन किया गया। पनामा शहर के मेयर के कार्यालय, पनामा के विदेश मंत्रालय के प्रतिनिधियों तथा भारतीय समुदाय के प्रतिष्ठित सदस्यों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।
दूतावास ने 25 अक्टूबर, 2014 को आइकेबाना इंटरनेशनल पनामा द्वारा आयोजित चौथे एक्सपोमेसास - टेबल एंड फ्लावर नामक चैरिटी कार्यक्रम में भाग लिया तथा भारत की सांस्कृतिक विविधता को दर्शाने वाली वस्तुओं को प्रदर्शित किया।

पनामा के स्थानीय प्रतिष्ठित स्पेनिस अखबार ला अस्ट्रेला के एक वरिष्ठ पत्रकार एवं सूचना प्रमुख ने विदेश मंत्रालय के विदेश प्रचार प्रभाग द्वारा आयोजित 'एल ए सी क्षेत्र के पत्रकारों का परिचय दौरा' के तहत 15 से 21 अक्टूबर 2014 के दौरान भारत का दौरा किया।

27 से 31 जनवरी, 2014 के दौरान इंटरकांटिनेंटल होटल मीरा मार्ग में एक भारतीय खाद्य महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें पर्यटन मंत्रालय द्वारा प्रायोजित अशोक होटल, नई दिल्ली के दो शेफ ने भाग लिया।

2 से 20 सितंबर, 2013 के दौरान पनामा विश्वविद्यालय में एक भारतीय फिल्म महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन 2 सितंबर को किया गया जिसमें पनामा विश्वविद्यालय के प्रेसीडेंट एवं रेक्टर ने भी भाग लिया।

दूतावास ने 4 से 8 फरवरी, 2013 के दौरान, होटल इंटरकांटिनेंटल मीरा मार्ग में एक भारतीय खाद्य महोत्सव का आयोजन किया जिसमें आई टी डी सी के दो शेफ ने भाग लिया।

अक्टूबर, 2012 में पनामा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में तथा अक्टूबर, 2012 में डेविड स्थित ओटीमा विश्वविद्यालय के ऑडिटोरियम में भारतीय फिल्म महोत्सव का उद्घाटक किया गया।

श्रीमती सुतपा तालुकदार के नेतृत्व में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित एक अन्य 15 सदस्यीय ओडिसी नृत्य मंडली ने प्रतिष्ठित नेशनल थिएटर में अक्टूबर, 2011 में 'श्यामा' का प्रदर्शन का किया।

नोबल पुरस्कार विजेता डा. रवींद्रनाथ टैगोर की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर डा. सोनल मानसिंह के नेतृत्व में एक 8 सदस्यीय नृत्य मंडली ने सितंबर, 2011 में 'नायिका' परफार्म किया।

तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग :

भारत - एस आई सी ए सहयोग के तहत टाटा कंसल्टैंसी सर्विसेज (टी सी एस) द्वारा अगस्त 2006 में ज्ञान शहर में भारत - पनामा आई टी शिक्षा उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया गया। दो साल तक टी सी एस के कार्मिकों द्वारा केंद्र का सफलतापूर्वक संचालन किया गया और 2008 में राष्ट्रीय व्यावसायिक निर्माण एवं मानव विकास प्रशिक्षण संस्थान (आई एन ए डी ई एच) को सौंप दिया गया। जनवरी 2013 में तत्कालीन संचार, आई टी एवं जहाजरानी राज्य मंत्री श्री मिलिंद देवरा की यात्रा के दौरान इस केंद्र के उन्नयन के लिए पनामा की ओर से प्रस्ताव प्रसतुत किया गया। सी डी ए सी और ऐपटेक के माध्यम से कार्यान्वियन के लिए विदेश मंत्रालय द्वारा प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया। सी डी ए सी ने आई टी अवसंरचना इंस्टाल की तथा स्तरोन्नत केंद्र का उद्घाटन अक्टूबर 2015 में किया गया। ऐपटेक ने नवंबर 2015 में 3 माह के लिए स्थानीय प्रशिक्षकों को प्रशिक्षित करने के लिए 4 मास्टर प्रशिक्षक प्रदान किए।

भारत सरकार ने पनामा को 2012-13 में 12, 2013-14 में 20 आई टी ई सी प्रशिक्षण स्लाटों और 2014-15 एवं 2015-16 में 10-10 आई टी ई सी स्लाटों की पेशकश की।

भारतीय समुदाय

पनामा में 15,000 के आसपास पी आई ओ एवं एन आर आई हैं, जिनमें से अधिकांश गुजराती एवं सिंधी हैं, जो टेक्सास, यूएसए के दक्षिण में दक्षिण अमरीका में कैरेबियन के देशों में भारतीय डायसपोरा को छोड़कर सबसे बड़ा भारतीय डायसपोरा है। भारतीय समुदाय अधिकांशत: थोक एवं खुदरा व्यापार में तथा सूक्ष्म ऋण के कारोबार में लगा हुआ है। आर्थिक दृष्टि से भारतीय समुदाय समृद्ध है तथा पनामा के समाज में योगदान किया है। पनामा शहर में भारतीय पूजा के अनेक स्थल हैं जिसमें एक हिंदू मंदिर, एक गुरूद्वारा और दो मस्जिद शामिल हैं। पनामा शहर में 4 भारतीय रेस्त्रां हैं।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, पनामा की वेबसाइट :
http://www.indianembassyinpanama.com/
राजदूत का ट्विटर :
https://twitter.com/@shammajain
भारतीय दूतावास, पनामा का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/embassyofindiainpanama

***

जनवरी, 2016